भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4706

28 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कुष्ठ रोग उन्मूलन का लक्ष्य

†4706. श्री कार्ती पी. चिदम्बरम:

श्री एंटो एन्टोनी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की योजना देश में वित्तपोषण आबंटन और कार्यक्रम कार्यान्वयन सहित 2027 तक कुष्ठ रोग को समाप्त करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कुष्ठ रोग पहचान अभियान (एलसीडीसी) की शुरुआत से लेकर अब तक इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष कितने मामलों का पता लगा है; और

(ग) शहरी बनाम ग्रामीण क्षेत्रों में तथा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य हाशिए पर पड़े समुदायों में कुष्ठ रोग की व्यापकता दर के संबंध में विस्तृत आंकड़ों का ब्यौरा क्या है तथा उपचार और पुनर्वास प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के व्यापक छत्रक के तहत राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एनएलईपी) एक केंद्र प्रायोजित योजना है। एनएचएम के तहत कार्यक्रम क्रियाकलापों के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं के आधार पर निधियां आवंटित की जाती हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अपनी आवश्यकता, प्राथमिकता और समावेशन क्षमता के आधार पर निधि का उपयोग करना आवश्यक होता है। भारत ने 2005 में राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग के उन्मूलन का स्तर हासिल कर लिया यानी व्याप्तता दर (पीआर) प्रति 10,000 जनसंख्या पर 1 से कम है। इसके अलावा भारत सरकार ने 2027 तक, अर्थात सतत विकास लक्ष्य जो 2030 तक के लिए है, से तीन वर्ष पूर्व कुष्ठ रोग के शून्य संचरण को प्राप्त करने के लिए 30 जनवरी, 2023 को कुष्ठ रोग के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एनएसपी) और रोडमैप (2023-2027) भी शुरू किया है। एनएसपी के तहत प्रमुख पहलें **अनुलग्नक** में है।

(ख): कुष्ठ रोग मामले जांच अभियान (एलसीडीसी) की शुरूआत से लेकर अब तक इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष पता लगाए गए मामलों की संख्या **अनुलग्नक-II** में दी गई है।

(ग): कुल क्षेत्र की तुलना में शहरी इलाकों में कुष्ठ रोग की व्यापकता दर और अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों में कुष्ठ रोग के मामलों के साथ-साथ एमबी (मल्टीबैसिलरी कुष्ठ रोग)/पीबी (पॉसिबैसिलरी कुष्ठ रोग) उपचार का ब्यौरा **अनुलग्नक-III** और **अनुलग्नक-IV** में है। एनएलईपी के तहत, सभी रोगियों को उपचार/निदान सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं, पुनर्रचना सर्जरी (आरसीएस) कराने वाले रोगियों को 12,000/- रुपये का आरोग्य भत्ता प्रदान करने का प्रावधान है। ये कुष्ठ रोगियों के उपचार और कल्याण की दिशा में किए गए कुछ प्रयास हैं।

*****

अनुलग्नक-1

दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4706 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

एनएलईपी के अंतर्गत प्रमुख पहल

राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एनएसपी) और रोडमैप 2023-2027 और कुष्ठ रोग के लिए एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश 30 जनवरी 2023 को जारी किए गए हैं।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आशा और अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ताओं के माध्यम से कुष्ठ रोग मामले का पहचान अभियान (एलसीडीसी), सक्रिय मामलों का पता लगाना और नियमित निगरानी ताकि नियमित आधार पर और प्रारंभिक चरण में कुष्ठ रोग के मामलों का पता लगाना सुनिश्चित किया जा सके और ग्रेड II विकलांगता को रोका जा सके।

बच्चों (0-18 वर्ष) की स्क्रीनिंग के लिए कुष्ठ रोग स्क्रीनिंग को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के साथ एकीकृत किया गया है।

30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की जांच के लिए आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कुष्ठ रोग जांच को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या क्रियाकलाप के साथ एकीकृत किया गया है।

संपर्क का पता लगाया जाता है और संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए चिन्हित मामले के पात्र संपर्कों को पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (पीईपी) दिया जाता है।

विकलांगता निवारण एवं चिकित्सा पुनर्वास (डीपीएमआर) कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सेवाएं जैसे अनुक्रिया प्रबंधन, माइक्रोसेलुलर रबर (एमसीआर) फुटवियर, सहायक उपकरण, स्व-देखभाल किट आदि का प्रावधान किया गया हैं।

पुनर्रचना सर्जरी (आरसीएस) जिला अस्पतालों/मेडिकल कॉलेजों/केन्द्रीय कुष्ठ संस्थानों में की जाती है, तथा आरसीएस कराने वाले प्रत्येक रोगी को **12,000/- रुपये का कल्याण भत्ता दिया जाता है।**

अनुलग्नक - II

दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4706 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

2016 में एलसीडीसी की शुरूआत के बाद से इसके दौरान पता लगाए गए कुल मामले

2016 में एलसीडीसी की शुरूआत के बाद से इसके दौरान पता लगाए गए कुल मामले		
वर्ष	**कवर किए गए राज्यों की कुल संख्या**	**कुल नए मामले पता चले**
एलसीडीसी-2016	20	34,672
एलसीडीसी-2017	23	32,714
एलसीडीसी-2018	19	23,356
एलसीडीसी-2019	23	23,077
एलसीडीसी-2020	1	908
एलसीडीसी-2022	17	18,067
एलसीडीसी-2023	17	31,088

स्रोत: केंद्रीय कुष्ठ रोग प्रभाग, स्वास्थ्य महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

अनुलग्नक III

दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4706 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

वित्त वर्ष 2023-24 में एनएलईपी के तहत कुल क्षेत्र बनाम शहरी इलाके में कुष्ठ रोग की व्यापकता दर का विवरण।

व्याप्तता दर/10,000 जनसंख्या	
भारत	शहरी आबादी
0.60	0.67

स्रोत: केंद्रीय कुष्ठ रोग प्रभाग, स्वास्थ्य महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

अनुलग्नक IV

दिनांक 28.03.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4706 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

वित्त वर्ष 2023-24 में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों में कुष्ठ रोग के मामलों के साथ-साथ एमबी/पीबी उपचार का विवरण

नये मामलों में अनुसूचित जाति के मामले	नये मामलों में अनुसूचित जनजाति के_मामले	नये मामलों में पीबी मामले	नए मामलों में एमबी मामले
13941	20259	42188	65663

स्रोत: केंद्रीय कुष्ठ रोग प्रभाग, स्वास्थ्य महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

*****